IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, December 2025
Impact Factor: 7.67

Dollar Hegemony Under Challenge: Domestic Currency Multipolarity

डॉ. परिपूर्णा नंद तिवारी

अतिथि विद्वान -वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश

वर्तमान वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में अमेरिकी डॉलर (USD) **की हेगेमनी लंबे समय से स्थापित है, लेकिन** 2024-2025 **के दौरान** BRICS **देशों द्वारा घरेलू मुद्राओं में व्यापार निपटान, डिजिटल मुद्रा पहल और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों के विकास ने इसे चुनौती दी है। यह शोध पत्र डॉलर प्रभुत्व के ऐतिहासिक आधारों, वर्तमान चुनौतियों और घरेलू मुद्रा बहुध्रुवीयता** (domestic currency multipolarity) **की ओर बढ़ते रुझान का विश्लेषण करता है। माध्यमिक स्रोतों और हालिया रिपोर्टों के आधार पर पाया गया है कि डॉलर अभी भी विदेशी मुद्रा भंडार का** 56-59% **हिस्सा रखता है, लेकिन धीरे-धीरे क्षरण हो रहा है।** BRICS **में रूस-चीन व्यापार का** 95-99% **अब युआन-रूबल में होता है, जबकि भारत-रूस और ब्राजील-चीन जैसे समझौते स्थानीय मुद्राओं को बढ़ावा दे रहे हैं। निष्कर्ष में कहा गया है कि पूर्ण डी-डॉलरीकरण नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय मुद्रा व्यवस्था उभर रही है, जिसमें भारत जैसे देश सतर्क रणनीति अपनाते हुए रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण कर रहे हैं। यह परिवर्तन वैश्विक व्यापार को अधिक समावेशी बना सकता है, लेकिन जोखिम भी पैदा करता है।**

कीवर्ड्स: डॉलर हेगेमनी, डी-डॉलरीकरण, घरेलू मुद्रा बहुध्रुवीयता, BRICS**, स्थानीय मुद्रा व्यापार, मुद्रा प्रभुत्व, वैकल्पिक भुगतान प्रणाली, युआन, रुपये अंतरराष्ट्रीयकरण।**

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30200D

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, December 2025
Impact Factor: 7.67

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30200D